धनवान लोग समाज के कल्याण हेतु पैसे खर्च करें : बापट

येरवड़ा व भवानी पेठ स्थित हॉस्पिटलों में एनआईसीयू के उद्घाटन के बाद पालकमंत्री ने कहा

पुणे, 5 मई (आ.प्र.)

धनवान लोगों को समाज के कल्याण हेतु पैसे खर्च करने चाहिए. मुकुल माधव फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रकाश छाब्रिया व प्रबंध न्यासी रितु छाब्रिया ने सीएसआर के अंतर्गत फंड उपलब्ध कर येरवड़ा स्थित भारतरत्न स्व. राजीव गांधी हॉस्पिटल व भवानी पेठ के चंदूमामा सोनावणे प्रसूतिगृह में नवजात शिशुओं हेतु 2 एनआईसीयू स्थापित कर समाज के समक्ष एक आदर्श स्थापित किया है. अन्य धनवान लोगों को भी इससे प्रेरणा लेकर समाज के हित में योगदान देना चाहिए, यह राय पालकमंत्री गिरीश बापट ने व्यक्त की.

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लि. व उसकी सीएसआर पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन की पहल से खोले गये एनआईसीयू का उद्घाटन करने के बाद चंदूमामा सोनावणे हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम में वे बोल रहे थे. इस अवसर पर महापौर मुक्ता तिलक, उप-महापौर डॉ. सिद्धार्थ धेंडे, विधायक जगदीश मुलीक, मनपा आयुक्त सौरभ राव, पूर्व आयुक्त कुणाल कुमार, प्रकाश छाब्रिया, रितु छाब्रिया, सभागृह नेता श्रीनाथ भिमाले, स्थायी समिति के अध्यक्ष योगेश मुलीक, डॉ. अंजलि साबणे, नगरसेविका अर्चना पाटिल, नगरसेवक अविनाश बागवे आदि उपस्थित थे.

मुकुल माधव फाउंडेशन की पहल से खोले गये एनआईसीयू का उद्घाटन करते हुए पालकमंत्री गिरीश बापट. इस अवसर पर महापौर मुक्ता तिलक, उप-महापौर डॉ. सिद्धार्थ धेंडे, विधायक जगदीश मुलीक, मनपा आयुक्त सौरभ राव, पूर्व आयुक्त कुणाल कुमार, प्रकाश छाब्रिया, रितु छाब्रिया, सभागृह नेता श्रीनाथ भिमाले आदि उपस्थित थे.

गिरीश बापट ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लोग हॉस्पिटल में जाने से घबराते हैं. इसके परिणामस्वरूप गर्भवती महिला या नवजात शिशु को मौत का सामना करना पड़ता है. इलाज के अभाव में पहले सालाना 6 हजार बच्चों की मौत होती थी, जो अब घटकर ढाई हजार तक पहुंच गई है. उन्होंने कहा कि अब मुकुल माधव फाउंडेशन के कारण नवजात शिशुओं हेतु खोले गये आईसीयू में कम फीस या मुफ्त में इलाज होगा. उन्होंने हॉस्पिटल मैनेजमेंट्स से पैसों के अभाव में किसी को चिकित्सा सेवा से वंचित न रखने का निर्देश दिया. डॉक्टरों, नर्सों व हॉस्पिटल स्टाफ को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कभी लापरवाही न हो.

महापौर मुक्ता तिलक ने कहा कि इस आईसीयू से कम शुल्क में इलाज की सुविधा मिल सकेगी. प्रकाश छाब्रिया ने स्वयं मॉनिटरिंग कर यह सुविधा उपलब्ध कराई है.

प्रकाश छाब्रिया ने कहा, मेरे माता-पिता की यह सीख है कि प्रेम व पैसा दूसरों पर खर्च करने पर उसमें वृद्धि होती रहती है. सबका सहयोग मिलने के कारण यह कार्य बेहतर ढंग से कर सके.